भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड
Bharat Heavy Electricals Limited

Message from Director (Human Resources)

Vigilance is the foundation of a strong, credible, and successful organization. In a sector where precision, quality, and timely delivery define our reputation, adherence to rules, guidelines and ethical practices is not optional—it is essential. I want to highlight that vigilance starts with *us*—with every individual who chooses to act with integrity, speak up when something doesn't feel right and support a culture where honesty and respect thrive.

As we observe Vigilance Awareness Week 2025, let us remind ourselves that transparency, integrity and accountability are not merely principles but the guiding forces that enable us to achieve our goals efficiently and responsibly. Following established processes and compliance standards ensures that every task we undertake is executed fairly, safely and sustainably.

Timely achievement of objectives is a reflection of disciplined execution combined with ethical conduct. When each one of us commits to vigilance as a shared responsibility, we not only strengthen organizational credibility but also build a culture of trust, fairness and excellence.

Our company's strength is built on trust-and trust is fragile. It's maintained through constant care, attention and commitment from all of us. When we all take ownership of vigilance, we create a safer, fairer and more transparent workplace.

I urge all colleagues to embrace vigilance in every action—be it decision-making, project execution, or day-to-day operations. Let us work together to uphold our values, achieve our goals on time, and create an organization that stands as a benchmark of professionalism, integrity and accountability.

This week is a chance for all of us to reflect on how we can contribute—not just as employees, but as custodians of a culture that values integrity above all else.

Together, let's make vigilance our shared promise—not just for a week, but every day.

(Krishna Kumar Thakur)
Director (Human Resources)

निदेशक (मानव संसाधन) का संदेश

सतर्कता एक मज़बूत, विश्वसनीय और सफल संगठन की नींव है। ऐसे क्षेत्र में, जहाँ सटीकता, गुणवत्ता और समय पर काम पूरा करना ही हमारी प्रतिष्ठा को परिभाषित करता है, वहाँ नियमों, दिशानिर्देशों और नैतिक कार्यप्रणाली का पालन वैकल्पिक नहीं है - यह अनिवार्य है। मैं इस बात पर ज़ोर देना चाहता हूँ कि सतर्कता हम सब से शुरू होती है - हर उस व्यक्ति से जो ईमानदारी से काम करता है, गलत के खिलाफ आवाज़ उठाता है और ऐसी संस्कृति का समर्थन करता है जहाँ ईमानदारी और सम्मान फले-फूले ।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2025 मनाते हुए, हमें यह समझना होगा कि पारदर्शिता, सत्यनिष्ठा और जवाबदेही केवल सिद्धांत नहीं हैं, बल्कि हमारे मार्गदर्शक हैं जो हमें अपने लक्ष्यों को कुशलतापूर्वक और जिम्मेदारी के साथ प्राप्त करने में सक्षम बनाती हैं। स्थापित प्रक्रियाओं और अनुपालन मानकों का पालन यह सुनिश्चित करता है कि हम जो भी कार्य करते हैं, वह पारदर्शी, सतत एवं सुरक्षित रूप से सम्पन्न हो ।

अनुशासित निष्पादन और नैतिक आचरण से ही लक्ष्य को समय पर प्राप्त किया जा सकता है। जब हम सब सतर्कता को एक साझा ज़िम्मेदारी के रूप में मानते हैं, तो हम न केवल संगठन की विश्वसनीयता को मज़बूत करते हैं, बल्कि विश्वास, निष्पक्षता और उत्कृष्टता की संस्कृति का भी निर्माण करते हैं।

हमारी कंपनी की मज़बूती विश्वास पर टिकी है और विश्वास बहुत नाज़ुक होता है। इसे हम सब की निरंतर देखभाल, ध्यान और प्रतिबद्धता से बनाए रखा जाता है। जब हम सभी सतर्कता की ज़िम्मेदारी लेते हैं, तो हम एक सुरक्षित, निष्पक्ष और अधिक पारदर्शी कार्यस्थल बनाते हैं।

मैं सभी सहकर्मियों से आग्रह करता हूँ कि वे हर कार्य में सतर्कता को अपनाएँ - चाहे वह निर्णय लेना हो, परियोजना को पूरा करना हो या दिन-प्रतिदिन का संचालन हो। आइए, हम सब मिलकर अपने मूल्यों को बनाए रखने, अपने लक्ष्यों को समय पर प्राप्त करने और एक ऐसा संगठन बनाने के लिए काम करें जो व्यावसायिकता, सत्यनिष्ठा और जवाबदेही का मानक बने।

यह सप्ताह हम सभी के लिए यह विचार करने का एक अवसर है कि हम कैसे योगदान दे सकते हैं - सिर्फ कर्मचारी के रूप में नहीं, बल्कि ऐसी संस्कृति के संरक्षक के रूप में जो सत्यनिष्ठा को सब से ऊपर मानती है।

आइए, साथ मिलकर सतर्कता को दिल से अपनाएं और अपने आचरण से प्रदर्शित करें - सिर्फ एक सप्ताह के लिए नहीं, बल्कि हर दिन के लिए।

(कृष्ण कुमार ठाकुर)
निदेशक (मानव संसाधन)